

पुलिस चढ़ती है और कोई भी आदमी थैला ले कर जा रहा हो, बक्सा ले कर जा रहा हो, उससे जबरदस्ती बक्सा खुलावाने में लागी रहती है तो किन उसकी सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं करती है।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं एक और चीज़ की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। ऐप के इनसीडेट और ऐसी इनसीडेट्स के लिए सुधीम कोट्टे ने अपने जजमेट में कहा था कि भारत सरकार द्वाये क्रिमिनल इंजुरीज़ बोर्ड नियुक्त किया जाए जो ऐसे केसेज़ को देख कर उस पर आधारित करे, सिर्फ़ कंपनसेशन ही नहीं देना है पर जब कंपनसेशन सरकार को देना पड़ेगा ऐसी क्रिमिनल इंजुरीज़ के ऊपर तब उस पर प्रिवेशन भी करेंगे, रोकने के लिए अंकुश भी लगाएंगे। परन्तु आज तक इस बोर्ड का गठन नहीं हुआ है। मैं आपके माध्यम से मांग करूँगा कि इसको भी बनाया जाए।

RE: REPORTED DECISION OF DEFENCE MINISTER TO INDEFINITELY DEFER PLAN TO PROVIDE TOTAL FENCING ALONG INDO-PAK BORDER IN THE KUTCH REGION

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): जनाब मस्तर साहब, आपकी इजाजत से जिस विषय पर मुझे अर्ज़ करना है एक मिनट पहले लेना चाहता हूँ। हमारे कुछ अजीज़ नये-नये हमारी राज्य सभा की बिंदारी में शामिल हुए हैं। मैं उनकी खिंडमत में बहुत मोदेबाना यह अर्ज़ करना चाहता हूँ। मैं कभी किसी पर जाती हमला नहीं करता हूँ। राज्य सभा में हकूमत में, सरकार में जो बैठा है, सरकार का जिक्र होता है तो जो मुख्यलिंफ हजरात, मुख्यलिंफ बजारों को सम्भाले हुए हैं, उनका जिक्र भी आता है, जाती हमले की बात नहीं होती है। इजाज़ वकालारी की गर्मजोशी हमें कहां तक ले जाती है, उसमें ऐतिहात बरतानी चाहिये। मैं जाती हमला न यहां हाऊस में करूँगा और यह सवाल पैदा नहीं होता। मैं कभी बाहर भी जाती हमला किसी पर नहीं करता हूँ। इस बक्त की जो सवाल उठ रहा है वह एक मंत्रालय का है जिसके लिए मैंने दरखास्त दी है, डिफेंस मंत्रालय का है और बद्विक्ष्यता से मैंने कल एक रिपोर्ट जो 28 तारीख के इक्वेनोमिक टाइम्स में शाया हुई थी, उसकी सुखी पढ़ दी थी। उस सुखी को मैं आज भी पढ़ना चाहता हूँ और वह सुखी यह है Army flays Mulayam's dithering on fencing. अब डिफेंस मिनिस्टर साहब का ज़िक्र है और सीरियस सवाल है

डिफेंस मिनिस्टर साहब के भातहत आर्मी है, तम डिफेंस फोर्सिंज़ हैं। डिफेंस मिनिस्टर साहब और उन दरम्यान किसी किस्म की गलतफ़ली बराहेण बिलवास्ता या पैदा नहीं होनी चाहिये। डिफेंस मिनिस्टर साहब का अपना एक दौया था—

“...Plan to provide fencing along the Indo-Pak border in the Kutch region deferred indefinitely. The announcement was made by the Defence Minister when he visited Jamnagar recently...”

जिस पर डिफेंस फोर्सिंज़ ने, आर्मी ने प्रमाण किया है मैं इससे ज्यादा नर्म लफ़ज़ इतेमाल नहीं करना चाहता हूँ। कल जो लोक सभा में कच्छ बाईर के सिलसिले जवाब दिया गया, वह आज के हिन्दुस्तान टाइम्स में छा है जिसमें यह कहा गया है—

“The setting up of a commercial zone by Pakistan across the Kutch border for exporting oil, gas, minerals, etc., has increased the threat potential from across the border, Lok Sabha was informed today.”

यह कल बहां कहा गया। इतना सीरियस मसला है हमारी सिक्युरिटी प्रॉब्लम है, सीरियस प्रेट है कच्छ बाईर से और हमारे डिफेंस मिनिस्टर साहब ने यह बयान दिया कि यहां फेसिंग की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कह कि पेट्रोलिंग काफी है। इतना बड़ा बाईर है, लम्बा बाईर है, जो प्रेट पाकिस्तान की तरफ से आ रही है, इस बाईर पर बेतहाशा आ रही है, इसके लिए पेट्रोलिंग काफी नहीं है। बहुत बड़ा बाईर है, कलाइमेटिक कंडीशंस बड़ा खतरनाक है, इनफिल्ट्रेशन बड़ा आसानी से हो सकते हैं। बाईर की फेसिंग के वाइटल होने की बजूहात क्या क्या हो सकती है, मिलिटेंट्स बाईर से बड़ी तादाद में आ रहे हैं, उसी बाईर का इतेमाल कर रहे हैं आईएस-आईएसटीवीटीज़ भी उसी बाईर से हो रही हैं, स्पालिंग आप है, दूर चीज़ की स्पालिंग है, दूरज़ की स्पालिंग है, हथियारों की स्पालिंग है, आरएफी-एसए की स्पालिंग सब तरफ से हो रही है। और आल कार्बैस आफ इनफिल्ट्रेशन हो रहा है और हमारे डिफेंस मिनिस्टर साहब ने बगैर आर्मी से मशिवण किए हुए यह बयान जामनगर में दे दिया कि उस बाईर पर फेसिंग की ज़रूरत नहीं है। सवाल सिर्फ़ कच्छ के बाईर का नहीं है। हमारे तमाम बाईरस गैर महानूज हैं।

The Defence Minister said that the BSF

s fully prepared to deal with the problem. Was it an off-the-cuff statement did he consult the security people—the F or the Army?

अब यह प्रावस्त्रम सिर्फ कच्च का नहीं है। नार्थ ईस्ट मापके बाईर बिल्कुल खुले हुए हैं। करेंडों लोग उस से हमारे यहां आ गए हैं और कोई तरीका बाबी रहा है। हमारे इन्सेक्टोरल रोत्स का क्या हाल है। यह भी नहीं जानता कि उनको ठीक करने का क्या

सकता है। हमारे यह स्थिरानशील के कायदे
... ६ या नहीं हैं, उनके लागू करना चाहिए या नहीं
॥ चाहिए हम जानते ही नहीं हैं इसके बारे में।
नम खुल्ला है। मैं करीमगंज गया था। वहां आना
ऐसा है कि जैसे एक शहर में रह रहे हैं। उधर के
गोदान के रहने वाले इधर आते हैं... कारोबार करने
और इधर वाले उधर जाते हैं। एक आम, खुला
है... (समय की धृटी) मैं खत्म कर रहा हूँ। मैं
कहना चाहता हूँ, आई मीन, इट माइट संड की
कुल डाइप्रेशन है। मगर डाइप्रेशन नहीं है।
ल्ट्रेशन का भातलब क्या है कि हमारे मुल्क की
टी बढ़ रही है। हमारे मुल्क की आबादी को रोकने
लए हमारे यहां फेमिली प्लानिंग के प्रोग्राम चल रहे
वर्षों चल रहे हैं? हिन्दुस्तान में हमारे यहां कोई
दान एक या दो बच्चों से ज्यादा पैदा न करें यह
निल जरूरी है। लेकिन पले पलाए हमारे यहां करोड़ों
जाएं उनकी तरफ से हम बिल्कुल बेफिक्क हैं। तो
कहना सिर्फ यह है कि डिफेंस मिनिस्टर साहब का
बयान जो कच्छ के बाईर के सिलसिले में था यह
आमीं परसोनल के कन्सल्ट किए हुए देना मुनासिब
था। आप द कफ बयानात इस तरीके से जिम्मेदारी
जगह बैठे हुए बजीरों के आएं, यह ठीक नहीं है।
बाईर हमारे लिए एक जबरदस्त खतरा पोज कर रहा
है। कि इस मौजूदा सरकार ने कल लोक सभा में
चीज को तस्लीम किया है। मुझे यही अर्ज करना

۱۰۷

آٹھیں (اجارت سے جس وشٹے پر کچھ عرض فرمائی
ہے) ایک صفت پہلے لینا چاہتا ہے مگر اس سے
کچھ عزیز نہ نہیں ہماری راجحیہ سمجھے
پرادری میں مشتمل ہوئے ہیں۔ میں (۱)

کی خدمت میں بہت موڑ باندھے یہ عرض کرنا
چاہتا ہوں۔ میں اپنے سسی پر زر تی حملہ
پیش کرتا ہوں۔ راجہ سنبھا میں خود
میں۔ صدر کالا میں جو بیٹھے ہیں۔ صدر کار
گاڑک ہوتا ہے تو جو مختلف حضرات مختلف
وزارتوں کو سنبھالے ہوئے ہیں۔ انہاڑکر بھی
آتا ہے۔ ذوقِ حلی کی بات پیش کر دے گے۔
انہاڑ و فادری کی پر جو شی ہمیں کہاں
نکھلے جاتی ہے۔ اسیں اختیار کر تئی چاہیے
میں ذوقِ حلی نہ یہاں ہاوس میں کروں گا
اور یہ سوال پیدا نہیں ہو جائے۔ میں تعجب
بایہر بھی ذوقِ حلی کسی پر نہیں کر سکوں۔
اس وقت بھی جو سوال اٹھ رہا ہے وہ ایک
مفتر الیہ کا ہے۔ جس کے بعد میر خود خود
دی ہے۔ ڈینیس مفتر الیہ کا ہے اور وہ قصتی
کے میں نے کل ایک رپورٹ جو ۲۸ تاریخ کو
1 کاناٹکس ٹاکس میں شائع ہوئی تھی۔
(اسکی سترخی پورا ہو دی تھی۔ اس سترخی کو
میر آج بھی برصغیر چاہتا ہوں۔ اور وہ
سترخی یہ ہے۔

Army flays Mulayam's dithering on fencing.

اب ڈیفینس منصہ صاحب کا ذریعے ۔

اور سیریں سوال یہ ڈیفینس منشہ صاحب کے ماتحت آرہی ہے۔ تمام ڈیفینس فوکسز ایس۔ ڈیفینس منشہ صاحب اور ائمہ دریمان

لئے کیا ہے ملتیں ہیں۔ ملکیتیں بار بار سے
بڑی تعداد میں اگرچہ ہیں۔ اسی بار بار کا
ستھان اُرچہ ہیں گئی۔ اسی گئی۔
لیکن ویژہ جو اسی بار بار سے ہو گیا
ستھان قام ہے۔ ہر چیز کی استھان ہے۔
جو کسی اسکالنگ پر۔ صحت اور کامیں استھان
گئی۔ ڈیکسی اسکالنگ بسی برف
میں ہو گی۔ اور اُس کا نام اس آف
فلائٹینگ ہو گیا ہے اور ہمارے لفیض
منٹر صاحب نے یہ تو اُرچے سے مشورہ
لے گئے ہیں یہ بیان جام نگر میں دریہ ما
ہس بار بار برف پھٹے بار بار کامیں ہیں۔
مارے تمام بار بار میں غیر محفوظ ہیں۔

"...Plan to provide fencing along the Indo-Pak Border in the Kutch region deferred indefinitely. This announcement was made by the Defence Minister when he visited Jamnagar recently..."

جس پر لفیض خود سینہ۔ اُرچے نے فران
لکھا ہے۔ میں اس سے زمینہ نرم افتادا استعمال
نہیں کرنا چاہتا ہوں۔ کل جو لوگ سمجھا میں
چکے بار بار کے سامنے میں جواب دیا گی
وہ ۶۷۲ کھنڈوں ساتھ ٹائیس میں چکیا
جس میں یہ کامی ہے۔

"The setting up of a commercial zone by Pakistan across the Kutch border for exporting oil, gas, minerals, etc., has increased the threat potential from across the border, Lok Sabha was informed today."

یہ کل وہیں کھل گیا۔ اتنا سیریس سکھا ہے۔
ہماری سیکھو گی پرایام ہے۔ سیریس تھریٹ
ہے۔ کچھ بار بار سے اور ہمارے لفیض
منٹر صاحب نے یہ بیان دے دیا ہے یہاں
فینٹنگ کی خود روت ہے ہے افکوں نے کہا
پیرو لند کافی ہے۔ اتنا بڑا بار بار ہے۔
جو تھریٹ پاکستان کی طرف سے اڑ رہی ہے۔
(اس) بار بار پر بے حاشہ اُرچے ہے۔ اسکے
لئے پیرو لند کافی نہیں ہے۔ بہت بڑا بار بار
ہے۔ کلا میٹھل کندو لیشن بڑی تھنڈنائی ہے
ائفلائٹنگ بڑی انسانی سے ہو سکتی ہے۔
بار بار کی فینٹنگ کے وسائل بہت بڑی وجہات
ہیں۔ کلم خلا ہے۔ صد کوڑم کٹھ لیتا ہے۔

لیکن کیا ہے ملتیں ہیں۔ ملکیتیں بار بار سے
بڑی تعداد میں اگرچہ ہیں۔ اسی بار بار کا
ستھان اُرچہ ہیں گئی۔ اسی گئی۔
لیکن ویژہ جو اسی بار بار سے ہو گیا
ستھان قام ہے۔ ہر چیز کی استھان ہے۔
جو کسی اسکالنگ پر۔ صحت اور کامیں استھان
گئی۔ ڈیکسی اسکالنگ بسی برف
میں ہو گی۔ اور اُس کا نام اس آف
فلائٹینگ ہو گیا ہے اور ہمارے لفیض
منٹر صاحب نے یہ تو اُرچے سے مشورہ
لے گئے ہیں یہ بیان جام نگر میں دریہ ما
ہس بار بار برف پھٹے بار بار کامیں ہیں۔
مارے تمام بار بار میں غیر محفوظ ہیں۔

The Defence Minister said that the BSF was prepared to deal with the problem. Was it an off-the-cuff statement or he had consulted the security people the BSF or the Army?

اب یہ پرایام صرف کچھ کامیں ہے ملتیں
ہیں اس کے بار بار بانٹل کھلے ہوئے
ہیں۔ گروگوں گوگ (سوس) برف سے بیمار ہے
یہاں ۱۰ لکھ میں اور کوئی طریقہ باقی نہیں
ہے۔ ہمارے لیکھوڑل روپس کا
نیا حال ہے۔ کوئی یہ بھوپیس جا نہیں سکتا اور
عینکہ نکال کیا طریقہ ہو سکتا ہے ہمارے
یہاں سیکن شہر کے قاعده قانون ہیں
یا نہیں ہیں۔ انکو لگو کرنا چاہیے یا نہیں کرنا
چاہیے ہم جانتے ہیں اسی میں اصل بارے
ہیں۔ کلم خلا ہے۔ صد کوڑم کٹھ لیتا ہے۔

وہاں اکنچھا ایسا ہے جیسے ایک مشہور پر
روز بیجیں۔ ادھر بنا کر دیش کے
رہنے والے ادھر آتے ہیں۔ ایک ہام ٹھاں
سوچ لے گئے (وقت کی مصانع) ۰۰۰ میں ختم
ہو رہا ہوں۔ میں یہ کہنا چاہتا ہوں۔ اگری
ایک اٹ مائی سائونڈ کی بارگاہ دریکٹر
بھی۔ ملکی دریکٹر پیش نہیں ہے۔ (انفلوئنزا
کا مطلب کیا ہے کہ ہمارے ملک کی آبادی
بڑھ رہی ہے ہمارے ملک کی آبادی کو روکنے
لگئے ہمارے یہاں قیمتی بیلڈنگز کے پروپرٹر
جلد بیجیں۔ یوں جلد بیجیں۔ صندوقِ سلطان
میں ہمارے یہاں کوئی خالدار ان ایک باروں
پہنچ سکے زمانہ ہے۔ پیدا نہ کریں یہ بارگاہیوں
ہے۔ لیکن پہلے پہلے ہمارے یہاں پروپرٹر
اجاہیں اتنی طرف سے ہم بارگاہیوں پر فکر رکھیں
تو میرا کہنا ہر اضافی یہ ہے کہ جیفنس منسٹر عاصب
کا یہ بیان جو کچھ کے بارگاہ کے ساتھ
میں ہے ایسے بخوبی پر سوچوں کے تکلف
کے عکس ہے کہ یہاں مناسب نہیں ہے۔ اگر
دیکھ بیانات اس طریقے سے مختصر ہوں
کی حکم بیٹھے ہوئے روز روئے کے آئینے۔
یہ مشکل نہیں ہے۔ کچھ بارگاہیوں
کے ایک فرست ٹھکریوں کو زیر یاد ہے
جیسا کہ اس موجودہ سرکار نے ملک کو
سچھا میں اس چیز کو تسلیم کیا ہے۔ کچھ
بھی عرض کرنا چاہتا ہے۔ [ختم شہر]

उपसभाध्यक्ष (ش्री विलोकी नाथ चतुर्वेदी): मैं

سمझता ہوں مंत्री مہोदय کی یہ کوچہ اپنے مہلتپूर्ण مुदہے ہے
ਜسکے کی آپ جو سंबंधیت مंत्रی جی ہے ہم کو بتا دے
کہ یہ کوچہ گھر وی�اگ اور دیکٹیوں میں اسی دوں کا ایسے
سंबंध ہے اور دوسرے کوئی پ्रانتی نہ رہے اس سیلسلے میں ہے۔

RE: DELAY IN RE-ESTABLISHING THE OFFICE OF THE REGIONAL DESIGN AND TECHNICAL DEVELOPMENT CENTRE, MUMBAI

श्री सतीश प्रधान (महाराष्ट्र): घन्यवाद म्हेड्य।

मैं آج اسکے بہت دُخُلِّی ہوئی پر بات باتانا
�اہتا ہوں۔ سدن کے سامنے رکھنا چاہتا ہوں۔ اس سدن
کے سامنے یہ وہی ویسی رکھتے ہوئے بہت دُخُلِّی ہے کہ یہ
اس سدن میں یہ وہی وہی کہ اس سدن میں ہے۔

मुम्बई میں ریجنل دیکٹیوٹ اپنے ڈیکٹیوٹ سینٹر
ہے۔ دیکٹیوٹ کے اکسٹرے اور
لےڈلائڈ کے ساتھ کوچہ، ٹھوڈی گڈبڈی ہوئی اور کوئی
जانے کے بाद ریجنل سینٹر کو وہاں سے جگہ خالی
کرنی پڑی۔ فیر اधिकारी لوگوں نے وہ سینٹر وہاں سے
ڈکھا کر بھوپال میں شیپٹ کرنا تھا۔ بھوپال میں
شیپٹ کر دیا۔ میں مंत्रی جی سے نیکے دن کیا۔ سدن
میں سوچا ڈکھا اور بار-بار مंत्रی جی کے ساتھ بات کی۔
مुझے اپیماں ہے اس ویسی کا کی پورا نے تےکسٹاہل کے
مंत्रی اور ابھی کے بھی دوں مंत्रیوں نے اچھی سُنْواری کی
اور یہ سکے اپنے اچھے نیتی کی لیا۔ یہ سینٹر فیر سے
مُبَحَّبٰ میں رکھنے کے لیے آوازیک ڈکھا اور یہ جانانے
کی گئی۔ مہاراشٹر سرکار نے اس ویسی میں جگہ دے دئے کا
کہا کیا تھا اور مہاراشٹر سرکار نے جگہ بھی
عپलब्ध کردا ہے۔ مُبَحَّبٰ مہاپالیکا نے اسکے لیے
جگہ دے دی۔ اب یہ جگہ دے دئے کے بाद وہاں سینٹر
شیپٹ ہے گا۔ لے کن جگہ دے دئے کے بाद ابھی کاریब 6
ماہیں ہونے کے آئے ہیں، یہ دیکٹیوٹ کے اधिकारी
لوگ وہاں مُبَحَّبٰ کی مہاپالیکا کے ساتھ میں کوچہ
اپنے ہوئے کر رہے ہیں جگہ دے دئے کے بارے میں، نہ یہ سکے
رہتے دے رہے ہیں۔ اب یہ مُبَحَّبٰ مہاپالیکا نے آخیری کے نہ
سکرکار کے لیے نوٹیس دیا ہے کہ آپ اپنے ہوئے
کر رہے تو آپکو جگہ خالی کرنی پڑے گی۔ یہ
جان-بڑاکار اپنے چل رہا ہے۔ میں آپکے مाध्यम سے
مأموریت مंत्रی جی سے نیکے دن کہ رکھنا کیا جائے۔

उपसभाध्यक्ष (श्री विलोकी नाथ चतुर्वेदी)